

नया नियम इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 2 7: रहस्योद्घाटन

टेड हिल्डेब्रांट [गॉर्डन कॉलेज]

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं, जो न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र सत्र संख्या 27 में अपने अंतिम व्याख्यान में कह रहे हैं, यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक है।

मैं एक कहानी बताने जा रहा हूँ क्योंकि मैं ऐसा ही सोचता हूँ। एक बार की बात है, मैं डॉ. लैरी क्रैब नामक एक व्यक्ति के साथ मास्टर साइक प्रोग्राम में था। क्रैब सबसे अच्छे शिक्षकों में से एक थे, छात्र इस व्यक्ति से बहुत प्यार करते थे। वह पिछले सप्ताह आए और फाइनल से कई दिन पहले उन्होंने कहा, अरे, मैंने अभी-अभी यह बेहतरीन किताब पढ़ी है। यह मेरे जीवन की अब तक पढ़ी गई सबसे अच्छी किताब है और आप लोगों को यह किताब पढ़नी चाहिए। तो मैं अंतिम परीक्षा के लिए क्या कर रहा हूँ, मैं एक किताब दे रहा हूँ। यह फाइनल से लगभग तीन दिन पहले की बात है। मैं यह किताब इसलिए दे रहा हूँ ताकि आप लोग इसे परीक्षा से ठीक पहले पढ़ सकें और हम इसे अंतिम परीक्षा में पढ़ेंगे। अंतिम परीक्षा में इस पर आपका परीक्षण किया जाएगा। अब क्या हुआ? यह व्यक्ति अब तक का सबसे अच्छा प्रोफेसर था। जब उसने ऐसा किया तो क्या हुआ? सभी छात्र बस यही कहते हैं कि यह आपदा थी। कोर्स खत्म करने का यह कैसा तरीका है। आप इन सब के साथ खत्म होते हैं, बहुत बड़ा काम। मेरे पास तीन दिन बचे हैं, उन्हें यह बेवकूफ़ किताब पढ़ने को मिली और यह एक बेहतरीन किताब थी, लेकिन वह बस पागल हो गया था और मैंने उसके बारे में सोचना शुरू कर दिया। और फिर मैं कहावतों के बारे में भी सोचता हूँ, आगे बढ़ने के लिए माफ़ करें, लेकिन कहावतों में यह बात है कि आप नदी के बीच में घोड़े की अदला-बदली नहीं करते। क्या किसी ने कभी सुना है कि आप नदी के बीच में घोड़े की अदला-बदली नहीं करते। या उद्धृत करने के लिए

मेरे दोस्त प्रोबो? जब आप डांस देखने जाते हैं, तो आप उस लड़की के साथ जाते हैं जिसके साथ आप आए थे। मेरी पत्नी डांस नहीं करती इसलिए यह हमारे लिए प्रासंगिक नहीं है। लेकिन उसने यही कहा। वह कहता है, आप उस लड़की के साथ जाते हैं जिसके साथ आप आए थे। यह उसके लिए एक बड़ी बात थी। तो यह सब कहने का मतलब है, क्या कोई जानता है कि उन कहावतों का क्या मतलब है? यहाँ कहावत का

अर्थ है। और मैं बस इतना ही कहता हूँ कि यह आपकी नाराज़गी को थोड़ा बढ़ा देता है। मेरे पास 500 पेज की एक किताब है, जिससे मैंने सीखा और मुझे लगता है कि मैंने क्लास के बारे में सोचना शुरू कर दिया और आप लोगों को किज़लेट फ़ॉर्मेट और उस तरह की सभी चीज़ों की आदत हो गई है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मुझे नहीं लगता कि मुझे बीच में या अंतिम परीक्षा के लिए गियर बदलना चाहिए। तो मैं जो सोच रहा हूँ वह यह है कि हम उन तीन व्याख्यानों पर काम क्यों नहीं करते जहाँ किज़लेट हैं, मेरे पास किज़लेट के लिए प्रश्न हैं और वे पहले से ही बने हुए हैं। पिछले पाँच व्याख्यानों में मेरे पास किज़लेट नहीं बने हैं। मेरे पास वीडियो भी नहीं था। बेन इस क्लास के लिए ऐसा कर रहा है। और अब समस्या क्या है? समस्या तब होती है जब आप कहते हैं, ठीक है, मुझे जानने की ज़रूरत नहीं है। मुझे कुछ भी जानने की ज़रूरत नहीं है। तो मैं शायद आपको बता दूँ कि, शायद प्रत्येक व्याख्यान पर मैं एक प्रश्न बनाऊँगा जो प्रत्येक के लिए एक सामान्य प्रश्न होगा जिसे आप बस देख सकते हैं और यदि आप नोट्स ले रहे हैं और यह अच्छा होगा। मुझे इसके बारे में और सोचने दें। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि परीक्षा उन तीन व्याख्यानों पर केंद्रित होगी जहाँ आपके पास किज़लेट प्रश्न हैं। मेरे पास कुछ अन्य प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन बहुत कम होंगे और फिर आपके पास रहस्योद्घाटन प्रश्न होंगे। मैं करता हूँ

क्योंकि मुझे नहीं लगता कि जब मैं आपको बताता हूँ, तो मैं आपको एक तरह से सीखता हूँ और फिर मुझे लगता है कि सिर्फ़ इसलिए स्विच करना अच्छा नहीं है क्योंकि मैंने अभी तक सामान नहीं बनाया है। यह सामान अभी मौजूद नहीं है। मेरा मतलब है कि बेन अभी मौजूद है। तो आप छात्रों को अगले साल चेतावनी दे सकते हैं। यह अगले साल तैयार हो जाएगा। लेकिन इसलिए आप उन्हें किसी और को लेने के लिए चेतावनी दे सकते हैं। तो क्या यह स्पष्ट है? तो मुझे स्पष्ट करने दें। मैं आप लोगों को एक ईमेल भेजूँगा जिसमें मैंने अभी जो कहा है, उसे विस्तार से समझाऊँगा। मैं इसे आप लोगों को भेजूँगा, लेकिन उन तीन व्याख्यानों पर ध्यान दें जहाँ मुझे आज रात और कल देना है। मेरी पत्नी आज अपने पिता को लेने जा रही है और वैसे भी वह मर चुका है। तो बहुत सारी चीज़ें चल रही हैं, लेकिन मैं, मैं कल इसे पूरा करने की कोशिश करूँगा। मैं इसे आपके गुरुवार की सुबह के लिए तैयार कर दूँगा। ठीक है तो रहस्योद्घाटन सामग्री गुरुवार या शुक्रवार को तैयार हो जाएगी। प्रश्न, रीडिंग। फिर स्मृति बनाम बस उन्हें करने के लिए। तो अब बेन, हॉल में एक आदमी बाहर निकल रहा है। अगर आप उसे पकड़ सकें और उसे बता सकें कि ध्वनि नेटवर्किंग नहीं कर रही है और मुझे लगता है कि यह पीछे की ओर है। अभी क्रिस को देखा, मेरा मतलब है वहाँ। क्रिस। ध्वनि यहाँ काम नहीं कर रही है और मैंने सब कुछ चालू कर दिया है। यह क्रिस है। वह आदमी है। और,

ठीक है। उसके पास जादुई स्पर्श है, लेकिन हाँ, लेकिन मैंने सब कुछ चालू कर दिया है। वहीं पर देखें। मैं ठीक हूँ। यह वाला, यहाँ वह है। तो मुझे आश्चर्य है कि क्या यह पीछे है। तो वह कहता है, बस पढ़ाते रहो और चीजें करते रहो, तो यह ठीक है। मैं ज़ोर से चिल्लाऊँगा।

आज मैं रहस्योद्घाटन की पुस्तक पर जाना चाहता हूँ और ऐसे कुछ तरीके हैं जिनसे मैं रहस्योद्घाटन की पुस्तक को कर सकता था। क्या यह तरीका है, यहाँ थोड़ा सा है। तो रहस्योद्घाटन की पुस्तक, इसे संभालने के दो तरीके हैं। एक तरीका यह होगा कि पीछे छोड़ दिया जाए। अखबार क्या कहता है? परमाणु हथियार क्या हो रहे हैं? फिर उन चीजों को ईरान से आयात करें और अयातुल्ला को मसीह विरोधी या ऐसा कुछ बनाएं। यह एक तरीका होगा। दूसरा तरीका यह है, जो आमतौर पर किया जाता है कि लोग रहस्योद्घाटन की पुस्तक को छोड़ देते हैं क्योंकि रहस्योद्घाटन कठिन है और इसे समझना मुश्किल है। मैंने एक बार रहस्योद्घाटन की पुस्तक में एक पूरा कोर्स पढ़ाया था और मुझे लगा कि मैं जानता हूँ कि मैं क्या कर रहा हूँ। तब से, जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप थोड़े शांत होते जाते हैं। मुझे लगता था कि मैं जानता था कि मैं क्या कर रहा हूँ जब मैं छोटा था और मुझे अब एहसास हुआ कि मैं नहीं जानता। इसलिए दुर्भाग्य से, मैं आपके साथ चीजों का वह पक्ष भी साझा करूँगा। मुझे बस इतना कहना है। बाइबिल में एक शुरुआत है, "शुरुआत में, भगवान ने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।" उत्पत्ति में वापस याद करें, एक शुरुआत है और फिर चीजें कुलपिताओं के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। वे दाऊद के माध्यम से आगे बढ़ते हैं। वे इस राजा की इस उम्मीद की ओर बढ़ते हैं जो आएगा। यीशु आता है, लेकिन फिर यीशु मर जाता है और फिर अचानक यीशु कहता है कि वह फिर से वापस आ रहा है। तो यह एक बड़ी उम्मीद है, लेकिन मुझे जो दिलचस्पी है वह यह है कि आपको दो धारणाएँ मिलती हैं। एक यह है कि इतिहास एक शुरुआत से मध्य और फिर अंत की ओर बढ़ता है। और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। वैसे, क्या आपका जीवन शुरुआत, मध्य और अंत की ओर बढ़ता है? आप लोग अपने जीवन के मध्य की शुरुआत की तरह हैं। और फिर कहानी का अंत होता है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि इसका कुछ मतलब है क्योंकि यह रास्ते में लिए गए निर्णयों को अर्थ देता है। समय चक्रीय नहीं है। चीजें सिर्फ चक्रीय नहीं हैं। तो आप कहते हैं, मैं हर सुबह उठता हूँ। मैं वह काम करता हूँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं क्या करता हूँ क्योंकि मैं उठता हूँ, मैं दिन-रात एक ही काम करता हूँ। मेरा जीवन क्या मायने रखता है? यह सब चक्राकार है। मैं धूल में जाता हूँ, मैं धूल से आया हूँ, मैं धूल में वापस चला जाता हूँ। तो क्या? इस चक्राकार सोच में जीवन अर्थहीन हो जाता है। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि जीवन चक्राकार नहीं है। जीवन में ऐसे पैटर्न हैं जो सर्पिल हैं, लेकिन वे अंत

की ओर सर्पिल हैं। तो हाँ, क्रिस, मुझे लगता है कि हम समझ गए हैं। अच्छा आदमी। वैसे भी, क्रिस इमिंग, वह आदमी है।

अब मैं 1 यूहन्ना अध्याय तीन पद दो से एक अंश पढ़ता हूँ, जिसमें वे कहते हैं, "परन्तु हम जानते हैं कि जब वह प्रकट होगा," जब यीशु प्रकट होगा, "तो हम उसके समान होंगे, क्योंकि हम उसे वैसा ही देखेंगे जैसा वह है। जो कोई भी उसमें यह आशा रखता है, वह अपने आप को शुद्ध करता है, जैसा वह शुद्ध है, जैसा मसीह शुद्ध है।" हम अपने आप को शुद्ध करते हैं। तो अब जब हम मसीह के आने की प्रतीक्षा करते हैं, तो हम अपने आप को तैयार करते हैं। हम मसीह से मिलने के लिए अपने आप को कैसे तैयार करते हैं? वे कहते हैं, हम अपने आप को शुद्ध करते हैं, जैसे वह शुद्ध है। अब मैं जो करना चाहता हूँ वह इस रहस्योद्घाटन को देखना है और मैं इस पर चर्चा करना चाहता हूँ और मैं अखबारों की तरह व्याख्या नहीं करना चाहता। मैं आशा की धारणा पर जोर नहीं देना चाहता। यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक के बड़े विषयों में से एक है, कि यीशु वापस आ रहे हैं और इससे हमें आशा रखनी चाहिए। दूसरे शब्दों में, इस दुनिया की कहानी का एक अद्भुत अंत है। इस दुनिया की कहानी का एक अद्भुत अंत है। क्या आप लोग कभी उदास होते हैं? दरअसल यह अंतिम सप्ताह है। यह शायद लोगों के उदास होने के बारे में बात करने का एक अच्छा समय है। आप एक चक्र में जाने लगते हैं और वे कहते हैं, मेरे पास करने के लिए बहुत सारे काम हैं। कुछ छात्र मेरे पास आए और कहा, "अरे, पिछले तीन व्याख्यानों पर किज़लेट कहाँ है?" और मैंने सोचा, ओह बदबू। मैंने अभी तक इसे नहीं बनाया। यह ऐसा था, ओह पागल और अब यह खिड़की से बाहर है। और इसलिए मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जीवन ऐसा ही है। आपको निराशा मिलती है, निराशा के ऊपर। मुझे जो पसंद है वह यह है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक इस आशा के साथ है कि किसी दिन यीशु वापस आएँगे और हम उन्हें आमने-सामने देखेंगे। हम हमेशा-हमेशा के लिए ईश्वर की उपस्थिति में रहेंगे। इसलिए उस आशा को धन्य आशा कहा जाता है। कुछ सवाल यह है कि आप जीवन में वास्तव में क्या आशा करते हैं? आप वास्तव में क्या आशा करते हैं? क्या आप अमीर बनने की आशा करते हैं? क्या आप एक अच्छे घर, अच्छे परिवार की आशा करते हैं? आप शास्त्र में किस प्रकार की चीजों की आशा करते हैं? आशा है कि मसीह वापस आएगा और हवा में उनसे मिलेगा।

अब रहस्योद्घाटन की पुस्तक के साथ समस्या यह है कि यह एक साहित्यिक शैली है। यह साहित्यिक शैली सर्वनाशकारी है। जब मैं सर्वनाशकारी कहता हूँ, तो इसका कुछ अर्थ होता है। जब मैं सर्वनाशकारी कहता

हूँ, तो सर्वनाशकारी क्या है? यह दुनिया के अंत के बारे में है और अभी सर्वनाशकारी, दुनिया के अंत में, दुनिया फटने वाली है या आप जैसे कि 24 में जा रहे हैं, परमाणु हथियार हर जगह फटने वाले हैं। तो दुनिया के अंत में, लेकिन रहस्योद्घाटन की पुस्तक एक पत्र भी है। यह जॉन द्वारा सात कलीसियाओं को लिखा गया एक पत्र भी है। तो जैसे गलातियों एक पत्र है, इफिसियों, फिलिपियों, गलातियों एक पत्र है, इसलिए रहस्योद्घाटन की पुस्तक एक लंबा पत्र है, लेकिन यह एक पत्र है। फिर तीसरा, यह एक भविष्यवाणी है। यह कुछ बताता है, यह उपदेश देता है, लेकिन यह भविष्य के बारे में भी सिखाता है। तो मैं यह देखना चाहता हूँ कि सर्वनाश साहित्य की पाँच विशेषताएँ क्या हैं। मैं इस साहित्य को समझने के लिए बस इसे पढ़ना चाहता हूँ। यह अजीब चीज़ है, रहस्योद्घाटन की पुस्तक, क्योंकि यह सर्वनाश है। पहली बात यह है: प्रतीकवाद। इसमें प्रतीकवाद होगा। आप कहते हैं कि पुस्तक, मैं बाइबल को शाब्दिक रूप से लेता हूँ। दुर्भाग्य से जब आप रहस्योद्घाटन की पुस्तक में जाते हैं, तो आप इसे शाब्दिक रूप से नहीं ले सकते। वहाँ प्रतीक हैं। सर्वनाश साहित्य उच्च स्तर के प्रतीकवाद का उपयोग करता है। यदि आप चीजों को शाब्दिक रूप से लेते हैं, तो आप सभी प्रकार के अजीब जीवों को इधर-उधर भागते हुए देखेंगे। जानवर, जिन पर शेरों के सिर हैं। यह बिल्कुल भी समझ में नहीं आता। तो इसमें प्रतीकवाद होगा। मैं आपको इसका एक उदाहरण देता हूँ। अध्याय एक, श्लोक 20 में यह मोमबत्ती की छड़ियों के बारे में बात करता है और मोमबत्ती की छड़ियाँ चर्च के बराबर हैं। तो आप इन मोमबत्ती की छड़ियों, मोमबत्ती धारकों को देखते हैं, मोमबत्ती की छड़ियाँ चर्च के बराबर हैं। तो अध्याय एक की आयत 20 में कहा गया है, "सात तारों का रहस्य जो तुमने मेरे दाहिने हाथ में देखा और सात स्वर्ण दीपस्तंभ यह है। सात तारे सात कलीसियाओं के स्वर्गदूत हैं।" "सात तारे सात कलीसियाओं के स्वर्गदूत हैं।" क्या आपके चर्च में कोई स्वर्गदूत है? तो स्वर्गदूत का क्या मतलब है? वैसे, क्या आपको पता है कि "स्वर्गदूत" शब्द का मतलब सिर्फ़ संदेशवाहक हो सकता है? इसका मतलब सिर्फ़ संदेशवाहक हो सकता है। तो हो सकता है कि वह मेरे बारे में बात न कर रहा हो जो आपके चर्च के चारों ओर उड़ता है या ऐसा कुछ। बल्कि कोई ऐसा व्यक्ति जो चर्च में संदेश लेकर आता है - एक संदेशवाहक।

तो वह कहता है, आपके पास सात सितारे या सात कलीसियाओं के सात स्वर्गदूत हैं "और सात दीवटें सात कलीसियाएँ हैं।" तो हम जानते हैं कि दीवटें किसी और चीज़ का प्रतिनिधित्व करती हैं, और इसे प्रतीकवाद कहा जाता है। एक चीज़ किसी और चीज़ का प्रतिनिधित्व करती है। यह हमें अध्याय एक में संकेत देता है कि यह पुस्तक प्रतीकवाद से भरी होने जा रही है और इसलिए हमें अपनी आँखें खुली रखनी होंगी।

चित्रात्मक भाषा का उपयोग किया जाएगा। अब, स्वर्गदूत, सर्वनाश साहित्य, चाहे मैं पीटर के सर्वनाश के बारे में बात कर रहा हूँ, उदाहरण के लिए, या सर्वनाश साहित्य जो उस समय जाना जाता था, आमतौर पर आपके पास एक स्वर्गदूत होता है जो उस व्यक्ति के साथ होता है जो सर्वनाश को रिकॉर्ड कर रहा था। तो अचानक कोई स्वर्गदूत दिखाई देगा, गेब्रियल, या कुछ अन्य स्वर्गदूतों का नाम क्या है, राफेल या कुछ और। कोई स्वर्गदूत दिखाई देगा और मूल रूप से व्यक्ति को मार्गदर्शन करेगा और व्यक्ति को इसकी कहानी बताएगा। यह स्वर्गदूतीय मार्गदर्शक या मध्यस्थ वहाँ होगा। इसलिए अध्याय 1:1 में कहा गया है, "यीशु मसीह का रहस्योद्घाटन, जो परमेश्वर ने उसे अपने सेवकों को दिखाने के लिए दिया था कि जल्द ही क्या होने वाला है। उसने अपने सेवक, यूहन्ना को अपना स्वर्गदूत भेजकर यह बताया।" इसलिए यूहन्ना इसे लिखने जा रहा है और एक स्वर्गदूत इस बात की मध्यस्थता करने जा रहा है। इसलिए आप सर्वनाश साहित्य में स्वर्गदूतों को एक सामान्य बात के रूप में कथा में आते हुए देखेंगे। यहाँ कुछ ऐसा है जो वास्तव में दिलचस्प है। जब यूहन्ना स्वर्गदूत को देखता है, तो वह घबरा जाता है। इसलिए वह इस स्वर्गदूत के सामने गिर जाता है। अध्याय 22:8 में कहा गया है, "मैं, यूहन्ना ही हूँ जिसने ये बातें सुनी और देखीं। और जब मैंने इन्हें सुना और देखा, तो मैं उस स्वर्गदूत के चरणों में गिर गया जो मुझे दिखा रहा था।" इसलिए वह इस स्वर्गदूत के चरणों में गिर जाता है। अब क्या, एक स्वर्गदूत क्या करने जा रहा है, यूहन्ना? मैं इसे इस तरह से लेता हूँ कि प्रेरित यूहन्ना स्वर्गदूत के चरणों में गिर जाता है। स्वर्गदूत क्या करने जा रहा है? वह देवदूत की पूजा करना शुरू कर देता है क्योंकि देवदूत बहुत बढ़िया है। वह अपने देवदूत को बताता है और पूजा करना शुरू कर देता है। देवदूत क्या करता है? क्या देवदूत को पूजा मिलती है? नहीं, ब्रह्मांड में केवल एक ही प्राणी है जो पूजा प्राप्त करता है। वह भगवान है। तो यह देवदूत फिर कहता है, "लेकिन उसने [स्वर्गदूत] मुझसे कहा, ऐसा मत करो। मैं तुम्हारे और तुम्हारे भाइयों और भविष्यद्वक्ताओं के साथ एक सह-सेवक हूँ, भगवान की पूजा करो।" और देवदूत क्या करता है? क्या देवदूत को पूजा मिलती है? नहीं, ब्रह्मांड में केवल एक ही प्राणी है जो पूजा प्राप्त करता है। वह भगवान है। तो यह देवदूत फिर कहता है, लेकिन उसने [स्वर्गदूत] मुझसे कहा, ऐसा मत करो। मैं तुम्हारे और तुम्हारे भाइयों और भविष्यद्वक्ताओं के साथ एक सह-सेवक हूँ, भगवान की पूजा करो।"

सपने रात में आते हैं जब वह सो रहा होता है। दर्शन तब होते हैं जब वह जाग रहा होता है। सर्वनाशकारी साहित्य का दायरा हमेशा समय का अंत होगा। तो यह दुनिया का अंत है। इसलिए भविष्यसूचक साहित्य, हम हमेशा दुनिया के अंत के बारे में बात करेंगे, कैसे चीजें फटने वाली हैं या दुनिया के अंत में क्या होने

वाला है। तो सभी चीजों का अंत, यह आमतौर पर ब्रह्मांडीय और दायरा होता है। वास्तव में स्टार वार्स थोड़ा सर्वनाशकारी है? हाँ। यह अंत के बारे में है। कुछ दुनियाएँ इसे बनाती हैं और कुछ नहीं बनाती हैं। तो ऐसी चीजें हैं जहाँ दुनिया के अंत और ब्रह्मांडीय दायरे के बारे में बात की जाती है। ब्रह्मांड में बड़ी चीजें हो रही हैं। फिर अंत में, द्वैतवाद है। सर्वनाशकारी साहित्य में, अच्छाई और बुराई, अच्छाई और बुराई के बीच एक वास्तविक तीव्र, एक विभाजन है। तो आपके पास अंधेरे की ताकतें और प्रकाश की ताकतें हैं। दरअसल, मैं अब स्टार वार्स के बारे में बात कर रहा हूँ, जहाँ अच्छे और बुरे के बीच यह विभाजन है। फिर आपको बुरे शो मिलते हैं और फिर उसमें थोड़ा अच्छाई होती है। आपको एक अच्छा आदमी मिलता है जिसमें थोड़ा बुरा होता है। फिर आप इसे इस तरह से काम करते हैं। वैसे भी, तो सर्वनाशकारी साहित्य में द्वैतवाद है। क्या अच्छा है और क्या बुरा है के बीच यह तीव्र विभाजन होगा। तो आपके पास नायक, श्वेत योद्धा होंगे। आपके पास एस और बुराई की विशेषताओं वाला एक और होगा। तो एक स्पष्ट द्वैतवाद है। अब मैं लगातार इस साथी डेविड मैथ्यूसन का उल्लेख करने जा रहा हूँ जो यहाँ पढ़ाते थे। वह दुनिया के अग्रणी लोगों में से एक हैं और मेरी राय में रहस्योद्घाटन की पुस्तक है। उन्होंने यहाँ पढ़ाया। मैं भी बाहर गया, उनका पीछा करते हुए डेनवर तक गया और उनके 30 व्याख्यान और रहस्योद्घाटन की पुस्तक का वीडियो बनाया। इसलिए यदि आप रहस्योद्घाटन की पुस्तक का वास्तविक विस्तृत अध्ययन करना चाहते हैं, तो मैथ्यूसन इस पर 30 घंटे काम करते हैं। वैसे, वे रहस्योद्घाटन पर तीन व्याख्यान भी देते हैं, जहाँ उन्होंने तीन व्याख्यानों में रहस्योद्घाटन की पूरी पुस्तक को पढ़ाया। मैंने इसे उनके नए नियम की कक्षा के अंत में रखा। मैं इसे YouTube [biblicalelearning.org] पर डाल रहा हूँ। क्या कोई उस चीज़ को जानता है? उन्होंने YouTube कहा। आप जा सकते हैं और इन वीडियो को देख सकते हैं। यह एक तरह से दिलचस्प है। मैं बस खुद का मज़ाक उड़ा रहा हूँ। लेकिन वैसे भी, मैं इसे YouTube पर डाल रहा हूँ। मुझे इसके लिए एक या दो हफ़्ते का समय दें और डेव वहाँ पर होंगे।

जब डेव सर्वनाश साहित्य के बारे में बात करते हैं, तो वे इसके बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे कि यह एक राजनीतिक व्यंग्य हो। क्या आपने कभी ऐसे कार्टून देखे हैं जहाँ वे राजनीतिक व्यंग्य के ज़रिए चित्र बनाते हैं। तो, उदाहरण के लिए, अगर आप अमेरिका में होते और कोई व्यक्ति हाथी बनाता और फिर उसमें एक गधा हाथी के चेहरे पर लात मारता हुआ दिखाया जाता, तो क्या यह अमेरिका में एक राजनीतिक बयान होता? गधा हाथी के चेहरे पर लात मारता है। और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि चूँकि हम अमेरिका में हैं, हम जानते हैं कि गधे का मतलब क्या होता है, मैं हमेशा इन दोनों को मिला देता हूँ। गधे का मतलब वैसे भी एक

समूह और हाथी होता है। मैं बस मज़ाक कर रहा हूँ। लेकिन वैसे भी, हाथी का मतलब दूसरे समूह से है। और इसलिए, और फिर गधे और हाथी के बीच यह झगड़ा होता है। हम उन्हें दो राजनीतिक दलों, दो राजनीतिक दलों के रूप में जानते हैं। मान लीजिए कि आप आज से सौ साल बाद बाहर जाते हैं, जब लोग पीछे देखते हैं, तो क्या यह संभव है कि लोग भूल जाएँ कि गधे और हाथी का क्या मतलब था? आप कहते हैं, नहीं, हर कोई यह जान जाएगा। नहीं, यह संभव है कि वे इसे भूल जाएँ। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आप इतिहास पर नज़र डालते हैं, तो कभी-कभी ये सभी ऐतिहासिक संदर्भ अंतर्निहित होते हैं। जैसे कि, छह छह, छह का क्या मतलब है? और इसलिए ये राजनीतिक चीज़ें हैं जो अगर आप उस संस्कृति में होते तो आप बहुत अच्छी तरह से जानते होते। जैसे अगर मैं इस बारे में बात करना शुरू करता तो बेहतर होता कि मैं इसके बारे में बात न करता। चलिए किसी और चीज़ पर चलते हैं। मैं नब्बे के दशक के आखिर में किसी ऐसी चीज़ के बारे में सोच रहा था जो वैसे भी उनसे जुड़ी थी, एक खास व्यक्ति। लेकिन बेहतर होगा कि मैं ऐसा न करूँ, मैं अब पुराने लोगों पर बात करूँगा। मैं रिचर्ड निक्सन का इस्तेमाल करता हूँ और अगर मैं रिचर्ड निक्सन के बारे में बात करना शुरू करता हूँ, तो क्या यह अब हमारी संस्कृति से बाहर हो गया है? अगर आप लोगों को पीछे ले जाया जाता तो शायद आप बहुत सारी बारीकियों और चीज़ों को समझ पाते क्योंकि आप रिचर्ड निक्सन की कहानी जानते हैं लेकिन यह अब बहुत समय पहले खत्म हो चुकी है।

तो वह जो सुझाव दे रहा है वह यह है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक एक राजनीतिक कार्टून की तरह है। मैं इसे फिर से कहता हूँ। मुझे लगता है कि यह वास्तव में रहस्योद्घाटन की पुस्तक को समझने में मदद करता है कि यह एक राजनीतिक कार्टून के समान है। इसलिए इसमें सभी प्रकार के संदर्भ हैं जो हमसे छिपे हुए हैं क्योंकि यह उस समय लिखी गई थी। वैसे, क्या यह पुस्तक हमारे लिए लिखी गई थी? यह पुस्तक 2000 साल पहले चर्चों द्वारा लिखी गई थी। क्या यह पुस्तक हमारे लिए लिखी गई थी या यह सात चर्चों के लिए लिखी गई थी? 2000 साल पहले? तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि हम ही हैं जो बाहर से अंदर की ओर देख रहे हैं। यह मूल रूप से सात चर्चों के लिए लिखी गई थी। वे इन छवियों को जानते होंगे, वे प्रतीकवाद को जानते होंगे, वे गधे और हाथी को जानते होंगे। वे बस यही जानते होंगे। तो, इसे एक राजनीतिक कार्टून, राजनीतिक व्यंग्य का एक राजनीतिक बयान के रूप में सोचें। वास्तव में, ऐसा कुछ सर्वनाशकारी साहित्य है। लेखक जॉन लगता है। कुछ लोग कहते हैं कि यह जॉन द एल्डर है जो जॉन द एपोस्टल नहीं है। मैं कहूँगा कि यह जॉन है। जॉन वह व्यक्ति है जो स्टार वार्स में होना चाहिए। जॉन जॉन। जॉन प्रेरित जॉन है। अब पुस्तक के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण हैं और मैं एक सर्वेक्षण करना चाहता हूँ, सभी दृष्टिकोण, मूल रूप से

रहस्योद्घाटन की पुस्तक के चार दृष्टिकोणों के पक्ष और विपक्ष। फिर मैं आपको देने जा रहा हूँ, और वास्तव में मुझे यहाँ खड़ा होना है। मैं आपको बताने जा रहा हूँ कि मैं बाईं ओर चलने जा रहा हूँ और मैं आपको अपनी राय देने जा रहा हूँ और फिर हम इस पर एक साथ काम करेंगे। सबसे पहले, यह भूतपूर्व दृष्टिकोण है, पूर्वगामी दृष्टिकोण। जब मैं भूतपूर्व कहता हूँ, तो इसमें बहुत अधिक व्याकरण होता है। जब मैं भूतपूर्व कहता हूँ तो इसका क्या मतलब है? इसका मतलब भूतकाल जैसा है। भूतकाल भूतकाल है। और इसलिए भूतकाल दृष्टिकोण पुस्तक को इतिहास में घटित किसी चीज़ को रिकॉर्ड करने के रूप में देखता है और यह सब पहली शताब्दी में हुआ था। दूसरे शब्दों में, वे कहते हैं कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक पहली सदी में प्रारंभिक चर्च की कुशती का वर्णन करने का एक प्रतीकात्मक तरीका है। भूतपूर्व दृष्टिकोण कहता है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक पहली सदी के बारे में लिखने का एक व्यंग्यात्मक तरीका है। और इसलिए यह नीरो के बारे में है जो सीज़र, एक सम्राट के रूप में एक बुरा आदमी है। डोमिनियन भी था जिसने ईसाइयों को भी मार डाला और बुरे काम किए। वे संभवतः जानवरों से संबंधित हैं, जो लोगों को खा जाते थे।

अब इस भूतपूर्व दृष्टिकोण का क्या लाभ है जो कहता है कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक 20वीं सदी और इस 21वीं सदी के बारे में नहीं है, बल्कि यह वास्तव में पहली सदी के बारे में है। यह वास्तव में पहली सदी के चर्च से बहुत अच्छी तरह से संबंधित है। यूहन्ना पहली सदी के चर्च को लिख रहा है। इसलिए उन्होंने इनमें से कुछ प्रतीकों को समझ लिया होगा। उदाहरण के लिए, वह सात पहाड़ियों पर एक शहर का उल्लेख करता है और वह बेबीलोन का उल्लेख करता है। बेबीलोन, वह बेबीलोन और जानवर और बेबीलोन के बारे में बात करता रहता है। लेकिन हर कोई जानता है कि अगर आप पहली सदी में हैं, जब उन्होंने बेबीलोन का उल्लेख किया, तो यह वास्तव में रोम के बारे में बात कर रहा था। बेबीलोन, अगर आप पीटर के पास जाते हैं, तो पीटर कहता है, पीटर रोम में है, वह जा रहा है, पीटर रोम में मरने जा रहा है। 2 पीटर में, वह उल्लेख करता है कि वह बेबीलोन में है लेकिन जहाँ हर कोई जानता है कि वह बेबीलोन में नहीं है, बेबीलोन मेसोपोटामिया में है। पीटर रोम में है। इसलिए बेबीलोन एक कोड वर्ड था जिसके द्वारा वे रोम को संदर्भित करते थे। इसलिए जब वह बेबीलोन कहता है तो हम इनमें से कुछ चीज़ें देखना शुरू कर देते हैं, उन्हें तुरंत पता चल जाता कि यह रोम था, मेसोपोटामिया में बेबीलोन नहीं। इसलिए इस स्थिति का एक फायदा है क्योंकि यह पत्र के प्रथम शताब्दी के चर्च प्राप्तकर्ताओं को पत्र को समझने की अनुमति देता है और यह एक अच्छी बात है। नुकसान क्या हैं? इसका नुकसान यह है कि अगर यह सब पहली शताब्दी में हुआ, तो इसका मतलब है कि यह सर्वनाश नहीं है, जो दुनिया के अंत के बारे में है। दुनिया पहली शताब्दी में खत्म नहीं हुई।

दुनिया का अंत अभी भी चल रहा है। वैसे, क्या हम अब दुनिया के अंत के करीब हैं? क्या यह संभव है कि दुनिया अब खत्म हो सकती है? और वैसे, क्या हमारे पास ऐसे हथियार हैं जो इस पूरी जगह को उड़ा सकते हैं या उड़ा सकते हैं? हाँ। क्या आपको पता है कि कब तक? वास्तव में 1940 या 1950 तक, मान लीजिए 1950 तक। क्या दुनिया 1950 में उड़ सकती है, क्या दुनिया उड़ सकती है और हम कह सकते हैं, ओह हाँ। हमारे पास कुछ परमाणु हथियार हैं लेकिन हमारे पास वो भी है जिससे हमने दो शहरों को नष्ट कर दिया। क्या वे वाकई दुनिया को उड़ा सकते हैं? नहीं। क्या अब हमारे पास ऐसी चीज़ें हैं जो चीज़ों को नष्ट कर सकती हैं? हाँ। पहले की तुलना में कहीं ज़्यादा शक्तिशाली। तो मैं कह रहा हूँ कि किताब में जिन चीज़ों के बारे में बात की गई है, उनमें से कुछ पहले कभी नहीं हुई थीं और 2000 सालों में कभी संभव नहीं थीं। वे अब संभव हैं। बस यही बात मुझे हैरान करती है। तो फ़ायदा यह है कि पहली सदी के लोगों ने इसे समझ लिया, नुकसान यह है कि ईसा मसीह पहली सदी में वापस नहीं आए। ईसा मसीह पहली सदी में वापस नहीं आए। तो यह सब पहली सदी के बारे में नहीं हो सकता क्योंकि किताब ईसा मसीह के आने के साथ खत्म होती है और ईसा मसीह नहीं आए हैं।

अभी तक। इसलिए इस दृष्टिकोण के कुछ नुकसान हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ज़्यादा निचोड़ता है। यह रहस्योद्घाटन की पूरी किताब को पहली सदी में निचोड़ता है। मुझे लगता है कि यह पहली सदी में बहुत ज़्यादा निचोड़ता है। किताब इस बारे में बात करती है कि जल्द ही नया यरूशलेम क्या होने वाला है। किताब के अंत में, आप नए यरूशलेम के स्वर्ग से नीचे आने के बारे में पढ़ने जा रहे हैं। नया यरूशलेम स्वर्ग से नीचे नहीं आया है। अब, यरूशलेम अब अरब इजरायल संघर्ष के साथ विस्फोट के लिए तैयार है। इसलिए इस भूतपूर्व दृष्टिकोण के नुकसान हैं। इसलिए यह मुझे यह कहने पर मजबूर करता है, अब, रहस्योद्घाटन की किताब के लिए एक और दृष्टिकोण यह है कि यह वास्तव में आदर्शवादी प्रकार की अवधारणाओं के बारे में बात कर रहा है। दूसरे शब्दों में, यह एक वैचारिक पुस्तक है जो विभिन्न चीज़ों के बारे में बात कर रही है - यह भविष्य बताने के बारे में नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक सत्य के बारे में बता रही है। इसलिए यह इन छवियों का उपयोग अच्छाई और बुराई के आध्यात्मिक सत्य, अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष का वर्णन करने के लिए कर रही है। तो कुछ लोग जो आदर्शवादी दृष्टिकोण रखते हैं, वे कहते हैं, हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के बारे में केवल इतना ही कह सकते हैं कि अंत में अच्छाई की जीत होती है? क्या आपने कभी ऐसा सुना है? मैं प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को नहीं समझता। मैं केवल इतना जानता हूँ कि अंत में अच्छाई की जीत होती है। मैं कहना चाहता हूँ कि जब आप 14 या 15 वर्ष के होते हैं तो ऐसा

कहना अच्छा होता है, लेकिन जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आपको एहसास होता है कि यह उत्तर वास्तव में संतोषजनक नहीं है। मेरा मतलब है, मुझे खुशी है कि अंत में अच्छाई की जीत होती है, लेकिन प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में अंत में केवल अच्छी हवाओं के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसलिए मुझे लगता है कि इसे देखने का यह बहुत ही सरल तरीका है। तो इस आदर्शवादी दृष्टिकोण में भाषा, फिर ये सभी चीजें प्रतीकात्मक चीजों के बारे में बात कर रही हैं। मुझे लगता है कि समस्या यह थी कि यह सब प्रतीकात्मक नहीं है। इसमें आलंकारिक भाषा और शाब्दिक भाषा का मिश्रण है। आपको उन चीजों को छांटना होगा। लाभ। मुझे आदर्शवादी दृष्टिकोण क्यों पसंद आया क्योंकि यह ईश्वर के ब्रह्मांडीय चरित्र के संदर्भ में चीजों को ऊपर उठाता है और आपको अनुमति देता है

भगवान के बारे में बड़े विचार सोचना और दुनिया कैसे काम करती है और अच्छाई और बुराई कैसे काम करती है और ये चीजें कैसे होती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि मुझे यह पसंद है कि यह पुस्तक को आध्यात्मिक मूल्य देता है। मुझे लगता है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक में जबरदस्त आध्यात्मिक मूल्य है। इसलिए आदर्शवादी दृष्टिकोण, यहाँ चित्रित किए जा रहे विचारों को देखने से हमें समझने में मदद मिलती है। पुस्तक वास्तव में हमें भगवान और इस दुनिया और खुद के बारे में बहुत सारी बातें बताती है। नुकसान यह है कि यह इसे इतिहास से अलग कर देती है। आदर्शवादी दृष्टिकोण इसे आदर्शों के संदर्भ में रखता है और इसे इतिहास से अलग कर देता है। मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक इतिहास में बहुत अच्छी तरह से अंतर्निहित है। वैसे, अगर रहस्योद्घाटन की पूरी पुस्तक आदर्शवादी है, तो मसीह की वापसी के साथ क्या होने वाला है, क्या मसीह की वापसी भी आदर्शवादी है? अब, क्या मसीह वास्तव में कभी वापस नहीं आने वाला है क्योंकि यह सिर्फ आदर्शवादी है। आप जानते हैं, जो भी हो। तो हम बस चलते रहते हैं और मसीह कभी वापस नहीं आता। यह सब सिद्धांत है। यह सब आदर्शवाद है। यह कभी वास्तविकता से नहीं टकराता। मैं कहता हूँ कि मसीह वास्तव में शारीरिक रूप से वापस आने वाला है। इसलिए यदि आप मानते हैं कि वह शारीरिक रूप से वापस आता है, तो पुस्तक को इतिहास को छूना होगा। इसे इतिहास के साथ काम करना होगा। अब एक तीसरा दृष्टिकोण है, जो रहस्योद्घाटन की पुस्तक को ऐतिहासिक मानता है। यानी, यह इतिहास को पीछे देखता है और कहता है कि रोम 476 में गिर गया? मैं इसे बना रहा हूँ, जोश। 476 के आसपास, रोम गिर गया। यह एक बहुत बड़ी बात थी। इसलिए रोम के पतन का वर्णन रहस्योद्घाटन की पुस्तक में किया गया है। कॉन्स्टेंटिनोपल 1457

में गिर गया, कॉन्स्टेंटिनोपल गिर गया, और अब इसे इस्तांबुल कहा जाता है। इसलिए कॉन्स्टेंटिनोपल गिर गया, यह बहुत बड़ी बात है।

फिर प्रोटेस्टेंट सुधार है, मैं इसे बस मनोरंजन के लिए करने जा रहा हूँ। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में, आपको सुधार के अनुसार दो गवाह मिले हैं। फिर आपको एक गवाह मार्टिन लूथर मिला है, दूसरा जॉन कैल्विन। तो आपको रहस्योद्घाटन की पुस्तक में दो गवाह मिले हैं। क्या आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? आप इसे चर्च के इतिहास के प्रकाश में व्याख्या करते हैं। वास्तव में, यही कारण है कि मैं यह नहीं कहता कि यह बस ऐसे ही है। इसलिए वे रहस्योद्घाटन की पुस्तक लेते हैं और इसे चर्च के 2000 वर्षों के इतिहास में फैला देते हैं। वे चर्च के इतिहास की प्रमुख घटनाओं को रहस्योद्घाटन की पुस्तक में दर्ज देखते हैं। तो यह अच्छा है क्योंकि आप वास्तव में देख सकते हैं कि कुछ निश्चित समय में ये विपत्तियाँ आईं। कुछ विपत्तियाँ जो आईं वे वास्तव में बहुत भयानक थीं। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में विपत्तियों का वर्णन किया गया है। इसलिए जब लोग इन विपत्तियों को देखते हैं, तो वे कहते हैं, अरे, यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक पूरी हो रही है। तो यह ऐतिहासिक दृष्टिकोण है जो मूल रूप से चर्च के इतिहास के माध्यम से आपको रहस्योद्घाटन की पुस्तक की पूर्ति देखने को मिलती है। अब इसमें कुछ समस्याएँ हैं। जैसे-जैसे चर्च के इतिहास में समय बीतता है। क्या इन लोगों को अपने विश्लेषण को बदलते रहना पड़ता है क्योंकि हाल ही में कुछ घटनाएँ घटित हुई हैं। इसलिए वे लगातार अपना दृष्टिकोण बदलते रहते हैं। इसलिए यह ऐतिहासिक दृष्टिकोण हमेशा चर्च में होने वाली अधिक घटनाओं के साथ-साथ बदलता रहता है। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में बिली ग्राहम कहाँ है? बिली ग्राहम शायद 300 वर्षों में सबसे महान उपदेशकों में से एक है। पुस्तक में बिली ग्राहम कहाँ है? क्या बिली ग्राहम वहाँ होते हैं? या शायद यह मेमना है जो रहस्योद्घाटन की पुस्तक में इस्लाम का वर्णन करता है। तो फिर लोग संबंध बनाना शुरू कर देते हैं। मैं, मैं ऐसा नहीं करता। मुझे लगता है कि यह गलत रास्ता है। इसलिए आपको इस ऐतिहासिक चीज़ से सावधान रहना होगा क्योंकि फिर लोग रहस्योद्घाटन की पुस्तक में होने वाली इन घटनाओं की व्याख्या करना शुरू कर देते हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत अटकलबाज़ी है। यह सबसे बड़ी समस्या है, यह बहुत अटकलबाज़ी है। यह बहुत ही अटकलबाज़ी है क्योंकि अटकलबाज़ी हर 50 से सौ साल में बदल जाती है। उन्हें इन सभी अन्य चीज़ों को जोड़ना होगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह शायद सभी विचारों में सबसे कमज़ोर है।

अब, कुछ लोग रहस्योद्घाटन की पुस्तक को भविष्यवादी मानते हैं और यह अंतिम स्थिति होगी। वे इसे भविष्य का वर्णन करने के लिए भविष्य में होने के रूप में लेते हैं, जिसे वे क्लेश काल कहते हैं। मैं ऐसे माहौल में बड़ा हुआ, उस समय इसे डिस्पेंसेशनलिज्म कहा जाता था, स्कूल में डिस्पेंसेशनलिज्म का उल्लेख करना भी लोगों को हंसाता था क्योंकि बहुत से लोगों ने इसे खारिज कर दिया था। दुर्भाग्य से, मुझे लगता है कि वे इसे वास्तव में समझने से पहले ही खारिज कर देते हैं। लेकिन वैसे भी, वे रहस्योद्घाटन की पुस्तक को किस रूप में लेंगे। वे कहेंगे कि पहले तीन अध्याय सात कलीसियाओं के लिए लिखे गए हैं और यह पहली शताब्दी के लिए था। लेकिन फिर पुस्तक के अंत से लेकर चौथे अध्याय तक भविष्य के बारे में हैं। इसलिए वे देखेंगे और कहेंगे, सात साल की अवधि होने जा रही है जहाँ क्लेश की सात साल की अवधि में चीजें टूटने जा रही हैं। सभी तरह की बुरी चीजें होने जा रही हैं और फिर मसीह आने वाला है और एक सहस्राब्दी आने वाली है जो मसीह का एक हजार साल का शासन है। और फिर अंततः हम शाश्वत अवस्था में चले जाएँगे। तो मैं आपको एक चार्ट दिखाऊँगा कि वे इसे कैसे प्रस्तुत करते हैं। यह बहुत से लोगों के लिए बहुत सीधा है। यही इसकी समस्या है। मुझे इसके कुछ पहलू पसंद हैं। इस दृष्टिकोण का लाभ यह है कि पुस्तक भविष्यवादी शैली की है। यह सर्वनाशकारी साहित्य है, जो सभी चीजों के अंत की तरह दृष्टिकोण को सुविधाजनक बनाता है। यह डैनियल की पुस्तक के साथ भी समन्वय करता है।

क्या आप में से कोई ऐसे चर्च में है जहाँ रहस्योद्घाटन और दानिय्येल पर चर्चा की जाती है। ये दो पुस्तकें हैं जिन पर वे चर्चा करते हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कुछ चर्च, यदि आप सुधार चर्च में हैं, तो वे किस चर्च में जा रहे हैं, वे शास्त्र के किस भाग पर चर्चा करेंगे? यदि आप सुधारित प्रेस्बिटेरियन प्रकार की पृष्ठभूमि में हैं, तो आप रोमन और गलातियों के साथ बहुत कुछ करते हैं। यदि आप मेनोनाइट में हैं, तो आप पर्वत पर उपदेश के साथ बहुत कुछ करने जा रहे हैं। शांति, प्रेम पर्वत पर उपदेश जैसे फोकस। यदि आप और अधिक में हैं, तो मैं कैसे कहूँ? बैपटिस्टिक, एक डिस्पेंसेशनल चर्च आप दानिय्येल और रहस्योद्घाटन करने जा रहे हैं। आप उन दो बड़ी पुस्तकों में शामिल होने जा रहे हैं। तो ये पुस्तकें, दानिय्येल की पुस्तक भविष्य के बारे में बात करती है और इसलिए आपको उन दो चीजों को समन्वयित करना होगा। तो कुछ चीजें हैं जो मुझे पसंद हैं। अब इस भविष्यवादी दृष्टिकोण के क्या नुकसान हैं? लेफ्ट बिहाइंड श्रृंखला जैसी पुस्तकों के साथ आपके पास जो नुकसान हैं। क्या आप लेफ्ट बिहाइंड श्रृंखला से परिचित हैं? तो फिर आपके पास अखबार उठाने वाले ये लोग रह जाते हैं। जब मैं बड़ा हुआ तो गृहयुद्ध के बाद, लेट ग्रेट प्लैनेट अर्थ नाम की एक किताब थी। उनके पास लेट ग्रेट प्लैनेट अर्थ की एक मिलियन, कई मिलियन प्रतियाँ थीं। जब उन्होंने

रहस्योद्घाटन की किताब ली और वियतनाम युद्ध और उस समय जो कुछ भी हो रहा था, उसे लिया और इसे रहस्योद्घाटन की किताब से जोड़ा। आप देखेंगे कि ये जीव बाहर आ रहे हैं और वे एक आदमी के सिर और पीठ में बिच्छू के डंक जैसे दिखने वाले हैं। उन्होंने मूल रूप से कहा कि उन्हें लगा कि वे वियतनाम में हेलीकॉप्टर हैं क्योंकि डंक उनकी पूंछ में है। इसलिए हेलीकॉप्टर पूंछ से बाहर निकलेंगे। इसलिए उन्होंने कहा कि ये टिड्डे वियतनाम युद्ध के हेलीकॉप्टर थे। यह आदमी हैल लैंडसे था। किताब की लाखों प्रतियाँ बिकीं, वास्तव में मुझे लगा कि वह आदमी शायद काफी बूढ़ा हो गया होगा। मुझे लगा कि वह मर गया है, लेकिन मैं किसी अजीब टेलीविजन चीज़ पर था और अचानक मैंने उस आदमी को फिर से देखा। वह अब सत्तर के दशक की शुरुआत में है। वैसे, वह अभी भी वही बातें कह रहा है और यह ऐसा ही है, जैसे कुछ लोग कभी नहीं सीखते। लेकिन वैसे भी, मेरी समस्या अटकलबाज़ी की प्रकृति है, कोशिश करना

हाथ में अख़बार लेकर अटकलें लगाएँ और कहें, ओह, यह दुनिया का अंत है। यह व्यक्ति यह विपत्ति ला रहा है। यह व्यक्ति मसीह विरोधी है, या मसीह विरोधी में वह व्यक्ति। आपको क्या याद है दो साल पहले कैम्पिंग नाम का एक व्यक्ति था जिसने कहा था कि 12 मई को दुनिया का अंत होने वाला है। तब मैंने अपने छात्रों से कहा कि कोई अंतिम परीक्षा नहीं है क्योंकि दुनिया का अंत 12 तारीख को होने वाला है। हमारी परीक्षा 13 तारीख को थी। आप तैयार हैं। और इसलिए समस्या यह थी कि हम 12वीं पास कर गए और वे सभी गायब नहीं हुए। ओह, यह सही है। उसने गलत अनुमान लगाया। इसलिए इन लोगों के पास हमेशा कोई न कोई बहाना होता है कि वे गलत क्यों हैं। वैसे, जब बाइबल कहती है कि अगर कोई भविष्यवक्ता झूठी भविष्यवाणी करता है, तो उस भविष्यवक्ता के साथ क्या किया जाना चाहिए? मैं बस इतना ही कह रहा हूँ। शांत हो जाओ। मैं उसे पत्थर मारने की कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि वह गुमराह बूढ़ा आदमी है और वह चाहता है कि मसीह आए। मैं भी चाहता हूँ कि मसीह आए। लेकिन आपको इस तरह की अटकलें लगाने से बहुत सावधान रहना चाहिए। तो भविष्य की बात, यह बहुत सारी अटकलों को जन्म देती है। और वैसे, यह टिम लाहे और लेफ्ट बिहाइंड सीरीज़ है। अगर आप लिबर्टी यूनिवर्सिटी जाएँ, तो आपको डॉ. टिम लाहे द्वारा समर्पित और समर्थित पूरी इमारतें दिखाई देंगी, जिन्होंने इस लेफ्ट बिहाइंड सीरीज़ से लाखों कमाए हैं। तो शायद हम गॉर्डन में इसका कुछ उपयोग कर सकें।

लेकिन वैसे भी, यह एक मज़ाक था। यह वास्तव में मज़ेदार है जहाँ यह मज़ेदार हो जाता है। आम तौर पर मैं बाईं ओर चलता हूँ और बेन मुझे टेप कर रहा होता है। इसलिए बेन, मैं बाईं ओर चलना चाहता हूँ। अब मैं

आपको इस पुस्तक पर अपनी राय बताने जा रहा हूँ। अब आप कहते हैं कि हम छात्र हैं। आप हमें तथ्य क्यों नहीं बताते, बाइबल क्या कहती है। मैं आपको यह बता रहा हूँ कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता जो जानता हो कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में वास्तव में क्या चल रहा है। अब मैं इसे इस तरह देखता हूँ और पिछले तीन वर्षों में मैंने अपना रुख बदल दिया है। मैंने इस पर अपना रुख बदल दिया है। इसलिए मैं आपको जो बता रहा हूँ वह सच है और इसका उत्तर है: नहीं। क्या यह कुछ ऐसा है जो मैंने इस पुस्तक को समझने की कोशिश में बनाया है? हाँ। अब आप कहते हैं, ठीक है, मुझे परवाह नहीं है कि आप क्या सोचते हैं, यह ठीक है। मैं बस एक प्रोफेसर हूँ, जो भी हो। लेकिन मेरा सवाल यह है कि आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के बारे में क्या सोचते हैं? आप प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को कैसे समझते हैं? तो मैं इसे इस तरह से देखता हूँ। अब मैं प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को सर्वनाश साहित्य के रूप में देखता हूँ, जिसे मैं ज्ञान साहित्य कहना चाहता हूँ। ज्ञान साहित्य और सर्वनाश साहित्य कभी-कभी एक साथ चलते हैं। जब मैं ज्ञान साहित्य में होता हूँ, तो क्या आप नीतिवचन से परिचित होते हैं? "बुद्धिमान बेटा या बेटी पिता को खुशी देती है, मूर्ख बेटा या बेटी अपनी माँ को दुःख देती है।" (नीतिवचन 10:1) बेटा या बेटी पिता को खुशी क्यों देती है, मूर्ख बेटा या बेटी अपनी माँ को दुःख देती है। ऐसा कब होता है? ऐसा कितनी बार होता है? जब भी आपका बेटा मूर्ख होता है, तो क्या माँ को दुःख होता है। जब भी आपका बेटा या बेटी बुद्धिमान होता है, तो क्या पिता इससे खुश होता है? हाँ। तो यह कहावत वास्तविक जीवन में बार-बार लागू होती है। इसे बार-बार लागू किया जाता है। तो आपको यह सिद्धांत मिल जाता है कि बेटा या बेटी अपने पिता को खुशी क्यों देती है और मूर्ख बेटा या बेटी अपनी माँ को दुःख क्यों देती है। फिर प्रत्येक परिवार में जो वास्तविक जीवन में उदाहरणित होता है, मैं इंस्टेंटिएट शब्द का उपयोग करता हूँ। क्या कंप्यूटर विज्ञान में किसी ने इसे देखा है। यह एक कंप्यूटर शब्द है जिसे इंस्टेंटिएशन कहा जाता है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आपके पास यहाँ एक सिद्धांत या प्रतिमान है। आपके पास यहाँ एक कहावत है और फिर आप देखते हैं कि यह वास्तव में जीवन में काम करता है। आप देखते हैं कि यह जीवन में काम करता है। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक हमें उस तरह से ज्ञान देती है।

पुस्तक के अंत में यह लिखा है और इसी बात ने इस दृष्टिकोण के प्रति मेरी आँखें खोली। अब मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मैंने इसे पुस्तक के अंत में लिखा है, यह कहता है, "जो कोई भी इस पुस्तक में कुछ जोड़ेगा," उसके साथ क्या जोड़ा जाएगा? "जो कोई भी इस पुस्तक में कुछ जोड़ेगा, इस पुस्तक की विपत्तियाँ उस व्यक्ति के साथ जोड़ी जाएँगी।" इसका मतलब यह है कि अगर किसी ने एक हज़ार ईस्वी के आसपास ऐसा

किया और पुस्तक में कुछ जोड़ा, विपत्तियाँ, तो यह पुस्तक उस व्यक्ति पर आएगी। या अगर आप 21वीं सदी में हैं तो विपत्तियाँ उस व्यक्ति पर आएंगी जो इस पुस्तक में कुछ जोड़ता है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जो कोई भी इस पुस्तक को जोड़ता है, चाहे जिस भी समय अवधि में विपत्तियाँ पढ़ी जाएँ, उसकी पुस्तक आपके ऊपर आएगी। इससे मुझे यह एहसास होने लगा कि ये विपत्तियाँ इतिहास में बार-बार हुई होंगी। शायद इसीलिए ऐतिहासिक दृष्टिकोण कहता है कि ये चीजें चर्च के इतिहास में हुई हैं और वे पीछे जाकर कहते हैं, अच्छा देखो, रोम के पतन में यही हुआ था। कॉन्स्टेंटिनोपल के पतन में यही हुआ था। यह वह बड़ी बड़ी बुबोनिक महामारी थी जिसका यहाँ वर्णन किया जा रहा है। इसलिए वे इसे बार-बार घटित होते हुए देखते हैं। इसलिए मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक एक तरह से ज्ञान साहित्य की तरह है जहाँ इनमें से कुछ विपत्तियाँ और ऐसी ही अन्य चीजें पूरे इतिहास में बार-बार घटित हुई हैं जो आने वाले बड़े संकट की प्रतीक्षा कर रही हैं -- आने वाले बड़े संकट की प्रतीक्षा कर रही हैं। तो ये हैं, हम देखते हैं

इतिहास में बार-बार ऐसी घटनाएँ होती हैं जो किसी बड़ी घटना का इंतज़ार करती हैं जब यह घटना एंटीक्रिस्ट या जो भी सामने आएगा, सच में घटित होगी और फिर बड़ी घटना घटित होगी। ठीक है। क्या यह किसी को समझ में आता है? मैं इससे कितना सहज हूँ? मैं इससे बहुत सहज नहीं हूँ। मुझे अपने सिद्धांत को खारिज करने दें। यहाँ बताया गया है कि मैं अपने सिद्धांत को कैसे खारिज करता हूँ। हिल्डेब्रांट क्या आपने कभी किसी और को इस विचार के साथ आते सुना है? इसका उत्तर है, नहीं। जब आप अकेले ही कुछ कह रहे होते हैं, तो क्या यह आपको कुछ बताता है? हाँ। यह आपको बताता है कि आप पागल हैं। और इसलिए मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं इसे इस तरह से देखता हूँ। लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं इसे इस तरह से समझता हूँ जितना मैं कर सकता हूँ। मैं ज्ञान के साथ काम करता हूँ और मैं सर्वनाशकारी साहित्य के साथ काम करता हूँ यह अब मैं जो सबसे अच्छा कर रहा हूँ वह है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि यह सुसमाचार है, यह बस यह है कि मैं अब पुस्तक को कैसे समझता हूँ। उस समय डेव मैथ्यूसन ने मेरा सिर उल्टा कर दिया और यहीं से मैंने अपने पैरों पर खड़े होने की कोशिश की। और आप कहेंगे, हिल्डेब्रांट आप अपने पैरों पर नहीं उतरे आप अपने सिर पर उतरे। उसने आपको उल्टा कर दिया। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि प्रकाशितवाक्य की पुस्तक के पहलुओं को पूरे इतिहास में बार-बार देखा जा सकता है और मैं उस दिन का इंतज़ार कर रहा हूँ जब मसीह वास्तविकता में वापस आएगा और बड़ा काम होगा। यीशु वास्तव में धरती पर उतरेंगे। यही है

मैं इसे कैसे देखता हूँ। ये पुराने ऐतिहासिक दृष्टिकोण और ऐसी ही चीजें हैं। ये विभिन्न दृष्टिकोण हैं। मुझे लगता है कि इस बारे में सोचना महत्वपूर्ण है। यहाँ वे प्री-मिलेनियल टाइमलाइन कहते हैं। गृहयुद्ध के बाद मेरी पीढ़ी में बहुत से लोग इसी के साथ बड़े हुए। क्या होता है कि आप यहाँ किनारे पर चले जाते हैं, जो आपके लोगों का है वह बाईं ओर है। आपके पास 2000 साल का चर्च इतिहास है जिसमें चर्च का इतिहास हुआ। रहस्योद्घाटन की पुस्तक इसे शुरू करती है, जिसे वे क्लेश की सात साल की अवधि कहते हैं। इसमें सात साल हैं जिन्हें वे महान क्लेश कहते हैं। वैसे, यह एक डिस्पेंसेशनल मॉडल है और मैं कहता हूँ, हिल्डेब्रांट, आप इसे अब और नहीं रखते हैं, लेकिन मैं जो कर रहा हूँ वह इसे प्रस्तुत करना है। अगर इसे 1950 और साठ, सत्तर के दशक में वापस रखा गया था। यह एक बड़ा मॉडल था जिसका इस्तेमाल किया गया था। तो 7 साल का क्लेश काल। फिर मसीह आता है। क्या आपने देखा कि मसीह के आने के तीन संकेत हैं। एक है क्लेश काल से पहले। वे इसे प्री-ट्रिप रैप्चर कहते हैं। क्या किसी ने कभी रैप्चर के बारे में सुना है? रैप्चर तब होता है जब मसीह वापस आता है और अपने लोगों को बाहर ले जाता है। वैसे, थिस्सलुनीकियों में ऐसे अंश हैं जो कहते हैं कि मसीह में मरे हुए लोग पहले उठेंगे और हम उठाए जाएँगे। पहले में, दो लोग एक चक्की पर होंगे, एक को ले जाया जाएगा और एक को पीछे छोड़ दिया जाएगा। तो यहीं से ये किताबें शुरू होती हैं। वैसे, क्या वे किताबें सच्चाई के एक दाने पर आधारित हैं? जवाब है, हाँ। अब वह चला जाता है और यह सब अजीब करता है। लेकिन इसका एक हिस्सा है। तो इसे प्री-ट्रिप रैप्चर कहा जाता है। मसीह क्लेश से पहले वापस आता है।

मध्य-संकट में एक उत्साह है जो कहता है कि क्लेश काल में, पहले साढ़े तीन साल इतने बुरे नहीं होते और मसीह क्लेश के अंतिम बुरे आधे भाग से पहले अपने लोगों को बचाने के लिए बीच में आता है। बसवेल ने ऐसा माना था और अब वह मर चुका है, इसलिए कोई भी इस स्थिति को नहीं रखता। यह मध्य-संकट में उत्साह की स्थिति है। फिर गुंड्री जैसे लोग एक स्कूल में थे, उस स्कूल का नाम क्या था? मुझे लगता है कि यह वेस्ट था। यह पश्चिमी तट पर है। वेस्टमोंट या कुछ और [मजाक]। वैसे भी, वेस्टमोंट से एक आदमी है, रॉबर्ट गुंड्री जिसने सिखाया कि मसीह 7 साल के क्लेश के बाद वापस आता है। चर्च क्लेश से गुजरता है और फिर अचानक, मसीह वापस आता है। तो ये एक तरह की चीज है, जिसे वे प्री-ट्रिप उत्साह कहते हैं, मसीह क्लेश से पहले वापस आता है। मध्य ट्रिब, मध्य में उत्साह और ट्रिब के बाद उत्साह। क्या आप प्री, मिडिल और पोस्ट क्लेश देखते हैं। फिर मसीह का एक हजार साल का शासन है जहाँ मसीह पृथ्वी पर शासन करता है। शेर मेमने के साथ लेट जाता है। वे अपनी तलवारों को हल के फाल में बदल देते हैं। सब कुछ

ठीक चलता है। मसीह एक हज़ार साल तक शासन करता है। फिर उस हज़ार साल के अंत में, यह रहस्योद्घाटन है। अध्याय 20 सहस्राब्दी के बारे में है। हज़ार साल के अंत में, शैतान को फिर से छोड़ दिया जाता है। वह एक बार फिर मानव जाति को धोखा देता है, और पृथ्वी पर न्याय होता है और फिर नया यरूशलेम नीचे आता है। नया यरूशलेम हमेशा-हमेशा के लिए चलता है। तो यही होता है। यह नया यरूशलेम रहस्योद्घाटन 21 और 22 है और कैसे पुस्तक नए यरूशलेम के आने के साथ समाप्त होती है। तो यह एक तरह की डिस्पेंसेशनल चार्ट योजना कहलाती है। अब बहुत से लोग इसे नहीं मानते। लेकिन मुझे लगता है कि इसके कुछ पहलू सही हो सकते हैं। और इसलिए मैं चाहता हूँ कि आप इसे अपने दिमाग में रखें और कहें कि शायद यह आपके दादा-दादी या शायद आपके माता-पिता में से किसी ने माना होगा।

अब, हमने इनमें से कुछ बातों पर चर्चा की। वास्तव में मैं आपको बताता हूँ कि, क्यों न हम, हाँ, थोड़ा विराम लें और फिर जब हम वापस आएँ। हम इसे समाप्त करेंगे और धन्यवाद। हमने पहले पुस्तक के बारे में बात की थी। पुस्तक की विशेषताओं में से एक प्रतीकात्मकता है। मैं अध्याय एक से कुछ प्रतीकात्मकता पढ़ता हूँ जिसका उन्होंने वर्णन किया है। वे कहते हैं, "जब मैं पीछे मुड़ा तो मैंने उस आवाज़ को देखा जो मुझसे बात कर रही थी। मैंने सात स्वर्ण दीपस्तंभ देखे और सात दीपस्तंभों के बीच मनुष्य के पुत्र जैसा कोई व्यक्ति था जो एक वस्त्र पहने हुए था, ... सात तारों का रहस्य जो तुमने मेरे दाहिने हाथ में देखा और सात स्वर्ण दीपस्तंभ यह है: कलीसियाओं के सात स्वर्गदूतों के सात तारे और सात दीपस्तंभ" और वे नीचे चले गए। फिर वे कहते हैं कि अध्याय 13 में वे इसका उपयोग करते हैं, वे कहते हैं, "इसके लिए बुद्धि की आवश्यकता है, यदि किसी के पास अंतर्दृष्टि है, तो वे जानवर की संख्या की गणना करें क्योंकि यह मनुष्य की संख्या है, उसकी संख्या छह छह, छह है।" छह छह छह नंबर मूल रूप से उनके हाथों के पीछे या माथे पर लगाए जाने थे, वास्तव में ये चिप्स होने जा रहे हैं। वे आपके सिर में चिप्स डालने जा रहे हैं और फिर क्रेडिट कार्ड बनाने के बजाय, आप बस ऊपर जाकर क्रेडिट कार्ड के लिए इस तरह की चीज़ करेंगे। हाँ, हँसने के लिए धन्यवाद। मैंने वैसे भी इसे बनाया है। मुझे लगा कि यह अच्छा रहेगा। या वे इसे आपकी कलाई में डालते हैं और आप ऊपर जाते हैं और फिर लोग आपकी कलाई काट देते हैं। यह दिलचस्प है।

मैं खुद पर मज़ाक कर रहा था, अब मैं थोड़ा पीछे हटता हूँ। यह बहुत दिलचस्प है। इसमें यह संख्या छह छह छह लिखी है कि आपको कुछ भी खरीदने या बेचने के लिए इस संख्या की आवश्यकता होगी। आपको कुछ भी खरीदने या बेचने के लिए इस संख्या की आवश्यकता होगी। वैसे, पिछले सौ साल पहले, क्या उन

पर कोई निशान था और उन्हें खरीदने या बेचने के लिए अपने पैसे की आवश्यकता थी। क्या यह संभव था। क्या यह सौ साल पहले या 50 साल पहले संभव था? जवाब है, नहीं। क्या यह अब संभव है? हाँ। यह अब संभव है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि 2000 सालों से यह संभव नहीं था। यह अब संभव है, इसलिए इन लोगों पर पूरी तरह से मूर्ख समझकर हँसिए मत, हालाँकि आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? आप कभी-कभी हँसना चाह सकते हैं। आप मुझे पर हँस सकते हैं, लेकिन यह मेरे लिए बहुत दिलचस्प है क्योंकि इसमें जिन चीज़ों के बारे में बात की गई है, उनमें से कुछ वास्तव में 2000 सालों में पहली बार अब की जा सकती हैं। अब संख्या छह, छह, छह है। मैं वापस जाना चाहता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि हमें इसे उस समय समझने की ज़रूरत है। इसलिए कुछ लोगों ने देखा है कि यदि आप नीरो का नाम एक निश्चित तरीके से लेते हैं, तो नीरो का नाम 666 नंबर के रूप में सामने आता है। छह याद रखें कि हमने कैसे कहा कि संख्याएँ और अक्षर समान हैं और इस तरह के सिद्धांत को वे गेमाट्रिया कहते हैं, एक सिद्धांत जहाँ संख्याएँ और अक्षर आपस में बदल जाते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि ये संख्याएँ, छह छह, छह नीरो के लिए हैं। नीरो इस शासनकाल के दूसरे भाग में प्रारंभिक चर्च का एक बड़ा उत्पीड़क था। इसलिए वे इसे उस समय के रूप में लेते थे, छह, छह, छह के साथ यह संख्या।

आप बेबीलोन को कैसे समझते हैं? जैसा कि हमने कहा, और मुझे वास्तव में यहाँ 1 पतरस 5:13 में संदर्भ मिला है। पतरस कहता है, "वह जो बेबीलोन में तुम्हारे साथ चुनी गई है, वह तुम्हें नमस्कार भेजती है। और मेरा बेटा मार्क भी यही करता है।" तो जाहिर है जॉन मार्क पीटर के साथ था। वे रोम में हैं, वे इस समय रोमन में हैं और वह इसे बेबीलोन कहते हैं। 1 पतरस अध्याय पाँच, श्लोक 13 में, गड्डे वाले टिड्डों से दूर रहें। वैसे, गड्डे वाले टिड्डों के बाल लंबे और पीछे होते हैं। जब मैं बड़ा हुआ, तो ऐसे लोगों का एक समूह था जिन्हें वे हिप्पी कहते थे। हिप्पी लंबे बाल रखते थे और वास्तव में, मेरी पत्नी को लंबे बाल पसंद थे। ऐसा है, लेकिन अब दुर्भाग्य से उसके लिए, वह चाहती है कि मैं एक चोटी बढ़ाऊँ। यह सच है। मैं गंभीर हूँ। मैं पूरी तरह गंभीर हूँ। मेरी पत्नी, नम्र और सौम्य, आप जानते हैं, तीर की तरह सीधी और जाल चुनने वाली। वह कहती है, तुम एक चोटी क्यों नहीं बढ़ाते। वैसे भी, तो हमारे पास है, आप कहेंगे कि मुझे वैवाहिक समस्याएँ हैं, लेकिन वैसे भी, ओह बदबू। यह टेप पर है। हाय एनेट। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। लेकिन यह सच है। मुझे इससे बाहर निकलने दो। मैं जो कह रहा हूँ वह है समाचार पत्रों से दूर रहो। समाचार पत्रों की व्याख्या से दूर रहो, जहाँ आप दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उसे उठाते हैं और उसे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में मैप करने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि यह वास्तव में बहुत हानिकारक हो सकता है। एक बात जो

हमें ध्यान में रखनी चाहिए वह वास्तव में महत्वपूर्ण है। अब, यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक पुराने नियम के अभिविन्यास, संकेत और पुराने नियम की प्रतिध्वनि से भरी हुई है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को पुराने नियम के बिना नहीं समझा जा सकता है जो पुराने नियम के भ्रमों से भरा हुआ है। उदाहरण के लिए, मैं उनमें से कुछ का उपयोग करूँगा। अध्याय 11 श्लोक 19 में कहा गया है, फिर स्वर्ग में भगवान का मंदिर। हमने भगवान का मंदिर कहाँ देखा है? सुलैमान और भगवान के मंदिर को याद करें? स्वर्ग में परमेश्वर का मंदिर खुला था और उसके मंदिर के भीतर उसकी वाचा का सन्दूक, वाचा का सन्दूक दिखाई दे रहा था। तो स्वर्ग में इस मंदिर में वाचा का सन्दूक है। क्या हम पुराने नियम से जानते हैं, क्या हम वाचा के सन्दूक के बारे में जानते हैं? क्या किसी को वाचा के सन्दूक में मौजूद तीन चीज़ें याद हैं? तो ये चीज़ें इस प्रकार की हैं। फिर भी, वह कहता है, मेरे पास तुम्हारे खिलाफ़ कुछ बातें हैं। "तुम्हारे यहाँ ऐसे लोग हैं जो बिलाम की शिक्षा को मानते हैं।" क्या किसी को बिलाम, वह बुरा आदमी, संख्या 22 से 24 में बिलाम याद है। वास्तव में प्रकाशितवाक्य की पुस्तक बिलाम को शिक्षा देने का उल्लेख करती है "जिसने बालाक को मूर्तियों को बलि चढ़ाए गए भोजन को खाने और यौन अनैतिकता करने के द्वारा इस्राएलियों को पाप करने के लिए लुभाने की शिक्षा दी।" तो वह पुराने नियम से इनमें से कुछ का उल्लेख करता है।

मैं प्रकाशितवाक्य 2:7 में एक और बात दोहराता हूँ, जिसमें लिखा है, "जो कान था, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है, जो जय पाए, मैं उसे जीवन के वृक्ष में से खाने का अधिकार दूँगा।" जीवन का वृक्ष हमें किस पुस्तक की ओर वापस ले जाता है? उत्पत्ति की पुस्तक और अदन के बगीचे की ओर। वैसे, जब नया यरूशलेम, मैं इसे अपने दिमाग से निकालता हूँ। दरअसल यह अध्याय 22 की आयत 14 है। मैं देखता हूँ कि जब नया यरूशलेम स्वर्ग से नीचे आता है, तो नए यरूशलेम में कौन सा वृक्ष है, जीवन का वृक्ष। जीवन का वृक्ष वर्ष में 12 बार अपना फल देता है। तो प्रकाशितवाक्य की यह पुस्तक पुराने नियम के कुछ दृष्टिकोणों में शानदार है। और फिर एक जिसकी मुझे ज़रूरत है, यह वास्तव में एक बड़ी बात है। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक की विपत्तियाँ निर्गमन की विपत्तियों पर आधारित हैं। क्या आपको सूर्य के अंधकार में चले जाने और टिड्डियों के निकलने की 10 विपत्तियाँ याद हैं। मिस्र में 10 विपत्तियाँ वास्तव में रहस्योद्घाटन की पुस्तक में प्रतिध्वनित होती हैं। इसलिए रहस्योद्घाटन की पुस्तक में इन विपत्तियों का वर्णन निर्गमन से छवियों का उपयोग करके किया गया है। वहाँ संकेत बहुत मजबूत हैं। एक और अवधारणा जो सामने आती है जो वास्तव में इसमें महत्वपूर्ण है वह है एक दुनिया की अवधारणा। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में, आपको पूरी दुनिया मसीह के खिलाफ़ एक साथ आती हुई दिखाई देती है। इसलिए

रहस्योद्घाटन की पुस्तक में यह वैश्वीकरण की बात चल रही है जो इसका उल्लेख करती है। पूरी दुनिया आर्मागिडन में युद्ध करने के लिए आती है। वे आर्मागिडन की इस लड़ाई में सभी जगह से इकट्ठा होते हैं जहाँ पूरी दुनिया आती है। इसलिए वहाँ इस वैश्वीकरण पर जोर दिया गया है। मुझे बस रहस्योद्घाटन 19:19 पढ़ने दें "फिर मैंने जानवर और पृथ्वी के राजाओं और उनकी सेनाओं को सवार और घोड़े और उसकी सेना के खिलाफ युद्ध करने के लिए एक साथ देखा। लेकिन जानवर उसके साथ पकड़ा गया। झूठा भविष्यवक्ता जिसने उसके लिए चमत्कारी संकेत किए थे।"

तो उन्होंने पकड़ लिया, यह मेरे लिए दिलचस्प है कि यहाँ हमें जानवर मिला है। बस यह करो। हमारे पास त्रिदेव हैं, हमारे पास क्या है? पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, है न? पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। हमारे पास त्रिदेव हैं। आइए हम इसे त्रिदेव कहते हैं, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, आपके पास एक दुष्ट त्रिदेव है। आपके पास एक दुष्ट त्रिदेव है। आपके पास जानवर है, आपके पास झूठा भविष्यवक्ता है, और आपके पास अजगर है। और उन तीनों में से, अजगर शैतान है जो पिता परमेश्वर से मेल खाता है। जानवर मसीह की तरह है और झूठा भविष्यवक्ता पवित्र आत्मा की तरह है। तो आपके पास जो है वह यह दुष्ट त्रिदेव है जो फिर सच्ची त्रिदेव की नकल करता हुआ ऊपर उठता है। तो फिर से एक विश्व की अवधारणा, वैश्वीकरण। वैश्वीकरण वास्तव में कब होता है? क्या वैश्वीकरण अब एक बड़ी बात है? हाँ, मेरा मतलब है कि अब वास्तव में बहुत बड़ी बात है। तो यह ईश्वरीय निर्णय दिलचस्प है, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को निर्णयों के इन तीन सेटों द्वारा संक्षेपित किया जा सकता है। सात मुहरें। अब सात मुहरें क्या हैं? सात मुहरें वे एक पुस्तक/स्कॉल खोल रहे हैं और इसमें आपकी अंगूठी पर एक मुहर लगी है। वे इसे मोम की तरह मुहर लगाते हैं और इस तरह मुहर लगाते हैं और जैसे ही आप मुहर खोलते हैं आप पुस्तक/स्कॉल को और अधिक खोल सकते हैं। तो मूल रूप से यह पुस्तक/स्कॉल एक के बाद एक मुहरों के टूटने के साथ ही खुल रही है। दूसरा पृथ्वी पर न्याय है। इस पुस्तक/स्कॉल की सात मुहरें खुलने और पुस्तक/स्कॉल खुलने के बाद, सात तुरही न्याय होते हैं जहाँ ये स्वर्गदूत ऊपर जाते हैं और तुरही बजाते हैं। हर बार जब कोई स्वर्गदूत तुरही बजाता है, तो एक विपत्ति आती है। फिर अंत में, कटोरे के न्याय हैं। ये कटोरे परमेश्वर का क्रोध हैं। इसलिए लोग प्रकाशितवाक्य की पुस्तक को पसंद नहीं करते हैं। यह इन सात कटोरों और परमेश्वर द्वारा इन कटोरों से पृथ्वी पर इन न्यायों को उंडेलने की बात करती है। इसलिए पुस्तक के अध्याय चार से लेकर अध्याय 18 या 16 तक बहुत कुछ इन सात मुहरों के निर्णयों, सात तुरही के निर्णयों और सात कटोरे के निर्णयों का वर्णन करता है। इस तरह से पुस्तक को व्यवस्थित किया गया है। तो यह 7 वर्षों में केवल आपदाएँ हैं।

यह पुस्तक वास्तव में मसीह पर केन्द्रित है। मसीह पुस्तक का केन्द्र है, जो एक ऐसा विषय है जिसे हमें शायद और विकसित करना चाहिए। आराधना में गीत। वे स्वर्ग में क्या गाते हैं? यहाँ बताया गया है कि वे स्वर्ग में क्या गाते हैं। इसमें अध्याय पाँच की आयत 8 से 14 तक लिखा है। इसमें लिखा है, "चारों जीवित प्राणियों में से प्रत्येक के छह पंख थे और वे ढके हुए थे। वे चारों ओर आँखों से ढके हुए थे, यहाँ तक कि उनके पंखों के नीचे भी। दिन-रात, वे कभी भी यह कहते नहीं रुके," और यही वे कहते हैं, "पवित्र, पवित्र, पवित्र हमारे सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा हैं जो थे और हैं और आने वाले हैं।" तो वे जो कहते हैं, वह है, "पवित्र, पवित्र, पवित्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा हैं।" क्या यह किसी को परिचित लगता है? मुझे लगता है कि वे इसे स्तुतिगान कहते हैं। यह कहाँ से लिया गया है? इसे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से लिया गया है। यही वे स्वर्ग में गाने जा रहे हैं। तो यह बस दिलचस्प है। गीत और आराधना, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में परमेश्वर की आराधना के बारे में बहुत कुछ है। फिर नई विश्व व्यवस्था है। पुस्तक के अंत में नई विश्व व्यवस्था पर चर्चा की गई है, जहाँ मूल रूप से नया यरुशलम नीचे आता है और सब कुछ सही हो जाता है। वहाँ इस्राएल के 12 गोत्रों का प्रतिनिधित्व किया गया है, 12 प्रेरितों का प्रतिनिधित्व किया गया है और सभी परमेश्वर के लोग वहाँ हैं। प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, यह कहा गया है कि वे सभी आँसू पोंछते हैं। ये सभी आँसू पोंछते हैं। तथ्य यह है कि उसे सभी आँसू पोंछने हैं इसका क्या मतलब है? जब नया यरुशलम नीचे आता है, तो क्या आँसू हैं? यही, मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंश है। क्या स्वर्ग में आँसू हैं? क्या स्वर्ग में आँसू हैं? इसका उत्तर है, हाँ। आँसू पोंछे जाते हैं, जिसका अर्थ है कि पोंछे जाने के लिए आँसू होने चाहिए।

तो नई विश्व व्यवस्था नीचे आती है, वैसे, पुस्तक के अंत में कोई मंदिर नहीं है, जब नया यरुशलम नीचे आता है, तो कोई मंदिर नहीं है। कोई मंदिर क्यों नहीं है? क्योंकि भगवान वहाँ हैं। दूसरे शब्दों में, मंदिर की कोई आवश्यकता नहीं है। हम भगवान की उपस्थिति का अनुभव करेंगे। हम भगवान की उपस्थिति में होंगे। मंदिर की कोई आवश्यकता नहीं है। तो अंततः, सारा इतिहास, इस तरह से चरमोत्कर्ष पर पहुँचेगा। इतिहास का चरमोत्कर्ष तब होता है जब मानवजाति भगवान से आमने-सामने मिलती है और हमारे और भगवान के बीच मुलाकात होती है और हम मिलते हैं और हम हमेशा-हमेशा के लिए शांति और सद्भाव में एक साथ रहते हैं। और स्वर्ग में सभी प्रकार की अद्भुत चीजें हैं। तो दुनिया का अंत एक ऐसी मुलाकात है जहाँ हम मसीह से आमने-सामने मिलते हैं। अब पुस्तक की शुरुआत में सात चर्च, मैं सभी सात चर्चों और चीजों के बारे में नहीं बताना चाहता, हालाँकि वे काफी दिलचस्प हैं। मैं जो करना चाहता हूँ वह सिर्फ एक

चर्च को पढ़ना है। एक चर्च मेरा पसंदीदा है क्योंकि मुझे लगता है कि यह बहुत प्रासंगिक है। चर्च इस पैटर्न में आते हैं: मसीह का दर्शन, प्रशंसा, निंदा। तो यह वह पैटर्न है जो सामने आता है। मैं नहीं चाहता कि आप उनके पैटर्न को जानें, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इसे सुनें। यह लाओडिसिया का चर्च है। यह सात चर्चों में से आखिरी है। कुछ लोग सोचते हैं कि सात चर्च चर्च के इतिहास को संदर्भित करते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह शायद सही है, लेकिन बस आखिरी चर्च को सुनें।

तो लाओदीकिया की कलीसिया, देखें अगर यह परिचित लगता है। यह रहस्योद्घाटन अध्याय तीन, श्लोक 14 है और इसके बाद कहा गया है, "लाओदीकिया की कलीसिया के स्वर्गदूत से, ये आमीन के शब्द हैं, जो विश्वासयोग्य और सच्चा गवाह है।" तो इसमें मसीह का दर्शन है, "विश्वासयोग्य और सच्चा गवाह, परमेश्वर की सृष्टि का शासक।" उसने कहा, "मैं तुम्हारे कामों को जानता हूँ। कि तुम न तो ठंडे हो और न ही गर्म। मैं चाहता हूँ कि तुम एक या दूसरे होते।" वह कहता है, "मैं तुम्हारे कामों को जानता हूँ। तुम न तो ठंडे हो और न ही गर्म। मैं चाहता हूँ कि तुम एक या दूसरे होते। इसलिए क्योंकि तुम गुनगुने हो, न गर्म और न ही ठंडे, मैं तुम्हें अपने मुँह से उगलने वाला हूँ।" आप आश्चर्य करते हैं, वे गुनगुने क्यों हैं, या वे उसके लिए अप्रिय क्यों हैं? "तुम कहते हो, मैं धनी हूँ। मैंने धन अर्जित किया है और मुझे किसी चीज़ की आवश्यकता नहीं है, लेकिन तुम यह नहीं समझते कि तुम अभागे, दयनीय, गरीब, अंधे और नंगे हो। मैं तुम्हें सलाह देता हूँ कि तुम मुझसे आग में तपा हुआ सोना खरीदो ताकि तुम अमीर बन सको और पहनने के लिए सफेद कपड़े खरीदो ताकि तुम ढक सको, अपनी शर्मनाक नग्नता और अपनी आँखों पर लगाने के लिए मरहम ताकि तुम देख सको। जिनसे मैं प्रेम करता हूँ, उन्हें मैं डाँटता और अनुशासित करता हूँ, इसलिए ईमानदार बनो और पश्चाताप करो। मैं यहाँ हूँ। मैं दरवाजे पर खड़ा हूँ और दस्तक दे रहा हूँ।" मसीह कहते हैं, "यदि कोई मेरी आवाज़ सुनता है और दरवाज़ा खोलता है, तो मैं उसके साथ अंदर आकर भोजन करूँगा। और वह, मेरे साथ। जो विजयी होगा। मैं उसे अपने सिंहासन पर मेरे साथ बैठने का अधिकार दूँगा जैसे मैं विजयी हुआ और अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया, जिसके पास सुनने के लिए कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।"

लाओदिसिया के चर्च के साथ क्या समस्या थी? उन्हें लगा कि वे अमीर हैं और मसीह नीचे आए और कहा, नहीं, तुम दयनीय हो। तुम दयनीय हो क्योंकि तुम सोचते हो कि तुम्हारे पास इस दुनिया की सारी चीज़ें हैं और तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि क्या लाओदिसिया कुछ ऐसा है, मुझे लगता है

कि यह आज के लिए वास्तव में प्रासंगिक है। इसलिए, मैं उससे गुज़रना नहीं चाहता। सहस्राब्दी। मुझे लगता है कि मैं वास्तव में सभी सहस्राब्दी सिद्धांतों से गुज़रने के बजाय इसे यहीं समाप्त करने जा रहा हूँ। मूल रूप से तीन सिद्धांत हैं। वास्तव में मुझे बस यह एक स्लाइड करने दें, फिर हम इसे समाप्त करेंगे। प्री-मिलेनियल सिद्धांत कहता है कि मसीह मसीह के इस हज़ार साल के शासनकाल से पहले लौटता है। इसलिए रहस्योद्घाटन अध्याय 20 में, यह शैतान को एक हज़ार साल के लिए एक गड्ढे में बंद करने की बात करता है। कुछ लोग सोचते हैं कि हज़ार साल एक आलंकारिक शब्द है। मेरे जैसे अन्य लोग, वास्तव में सोचते हैं कि यह एक शाब्दिक शब्द है। शैतान को एक हज़ार साल के लिए बंद कर दिया जाएगा। फिर मसीह सहस्राब्दि से पहले वापस आ जाएगा। तो इसे प्री-मिलेनियलिज्म कहा जाता है। मसीह प्रकाशितवाक्य 20 में सहस्राब्दि शुरू होने से पहले वापस आ जाता है। शैतान को एक हज़ार साल के लिए बांध दिया जाता है जिसे प्री-मिलेनियलिज्म कहा जाता है। एक और दृष्टिकोण है जिसे एमिलेनियलिज्म कहा जाता है। अगर कोई नैतिक नहीं है तो क्या होगा? इसका क्या मतलब है? वे नैतिक नहीं हैं। यह एक अल्फा प्रिवीटिव है। तो जब आप कहते हैं कि ए-मिलेनियल, इसका मतलब है कि कोई सहस्राब्दि नहीं है। मसीह का शासन चर्च है। तो अब सहस्राब्दि है मसीह हमारे दिलों में राज करता है। चर्च के प्रसार से शैतान को बांध दिया गया है। शैतान को बांध दिया गया है। वैसे, जब आप इस दुनिया को देखते हैं, तो क्या आप शैतान को हर जगह बंधा हुआ नहीं देख सकते हैं, है न? तो यह एमिलेनियल स्थिति है कि मसीह चर्च में शासन करता है और उसका शासन है, कोई सहस्राब्दि नहीं है। यह रहस्योद्घाटन 20 में सहस्राब्दी है जो वास्तव में चर्च के इतिहास और मसीह के अपने चर्च पर शासन का वर्णन कर रहा है। मेरा सवाल फिर से आता है, क्या शैतान अब वास्तव में बंधा हुआ है? मुझे नहीं लगता। क्या शैतान खुला घूम रहा है? जब वे ISIS की तरह ईसाइयों के सिर काट रहे हैं, तो मेरा मतलब है, आपको वहाँ कुछ सवाल पूछने होंगे।

फिर पोस्ट-मिलेनियल और पोस्ट-मिलेनियल्स और भी बेहतर हैं। ये लोग 19वीं सदी से निकले और उन्होंने कहा कि दुनिया बेहतर और बेहतर और बेहतर होती जा रही है जब तक कि मसीह सहस्राब्दी के बाद, मसीह की पोस्ट-मिलेनियल वापसी के बाद नहीं आते। दुनिया बेहतर और बेहतर और बेहतर होती जा रही है और अंत में दुनिया अच्छी हो जाती है कि अंत में, मसीह वापस आते हैं और कहते हैं, ये लोग बहुत बढ़िया हैं। मैं उनके पास वापस आने वाला हूँ। दुनिया बहुत अच्छी हो जाती है। मसीह अंत में वापस आते हैं। यह पोस्ट-मिलेनियलिज्म है क्योंकि दुनिया अभी इतनी अच्छी हो गई है कि वे कहते हैं कि मैं अब वापस आ सकता हूँ क्योंकि ये लोग मेरे मानकों पर खरे उतरते हैं। जब हम पोस्ट-मिलेनियलिस्ट के रूप में दुनिया भर

में देखते हैं, तो क्या दुनिया बेहतर और बेहतर और बेहतर होती जा रही है। हाँ, तो यह सिद्धांत पक्ष से बाहर हो गया है, लेकिन यह वापस आ सकता है क्योंकि हम अमेरिका को महान बनाने जा रहे हैं, ओह, क्षमा करें। वे वैसे भी वहाँ से चले जाएँगे। ठीक है। मुझे खेद है। पिछले सेमेस्टर में मेरे कुछ छात्र इस पर भड़क गए थे। यह हमेशा ये सभी राजनीतिक टिप्पणियाँ करता रहता है। यह एक मज़ाक था। कभी-कभी यह मेरे लिए अविश्वसनीय होता है। मुझे खेद है। मुझे इस तरह मज़ाक नहीं करना चाहिए, लेकिन ऐसा मत सोचो कि तुम इस तरह के बेवकूफ़ाना मज़ाक से मेरी राजनीति जानते हो। लेकिन वैसे भी, ये सहस्राब्दी की तीन स्थितियाँ हैं। तो सहस्राब्दी से पहले मसीह सहस्राब्दी की शुरुआत में वापस आता है फिर एक हज़ार साल होते हैं जब मसीह शासन करता है। शेर मेमने के साथ लेट जाता है। वे अपनी तलवारें हल के फाल में बदल देते हैं और दुनिया शांति और सद्भाव में रहती है। सहस्राब्दि का कहना है कि चर्च है, मसीह अभी चर्च में शासन कर रहा है। तो अब सहस्राब्दि है और सहस्राब्दिवाद के बाद वे 19वीं सदी के अंत में लोग हैं कि दुनिया बेहतर और बेहतर होने जा रही है और अभी भी इतनी अच्छी होने जा रही है कि मसीह अंत में आने वाला है

मुद्दा यह है कि, मैं अपनी बात को यहीं समाप्त करना चाहता हूँ। मैं आपको अपने पिता के बारे में बताना चाहता हूँ और मैं यहीं समाप्त करूँगा। यह हमारे परिवार के लिए कुछ मामलों में एक महत्वपूर्ण दिन है। तो मेरे पिता उन लोगों में से एक थे, जिन्हें वे पुराने डिस्पेंसेशनलिस्ट कहते थे। वे एक कट्टरपंथी थे। आप सभी हंस सकते हैं और कह सकते हैं, बेवकूफ कट्टरपंथी, बेवकूफ डिस्पेंसेशनलिस्ट और हम भी हंस सकते हैं, क्या वे बेवकूफ नहीं थे। मेरे पिता हाई स्कूल में पढ़े थे। उन्होंने अपना सारा जीवन एक कारखाने में काम किया। वे दिन में 16 घंटे काम करते थे। मेरे पिता ने अपने जीवन के अधिकांश समय में दिन में 16 घंटे काम किया। मुझे नहीं पता था कि दिन में 16 घंटे काम करना कैसा होता है। अब मैं एक शिक्षक हूँ और मानो या न मानो, मैं जानता हूँ कि शिक्षक वास्तव में दिन में 16 घंटे काम करते हैं। लेकिन मुझे याद है कि अपने पिता के जीवन के अधिकांश समय में वे खिड़की के पास जाते थे और मुझे यह याद है। वे खिड़की के पास जाते थे और खिड़की से बाहर देखते थे और कहते थे, तुम्हें पता है, आज मसीह वापस आ सकते हैं। आज मसीह वापस आ सकते हैं। क्या इससे उनका जीवन बदल गया? मसीह के वापस आने की आशा? क्या इससे उनका जीवन बदल गया? इसका उत्तर है हाँ। उन्होंने यह कहते हुए जीवन जिया, मुझे अपनी माँ से प्रेम करना चाहिए क्योंकि मसीह आज वापस आ सकते हैं और मैं लोगों से प्रेम करना चाहता हूँ और लोगों की मदद करना चाहता हूँ। उन्होंने इसकी बहुत उम्मीद की थी, उनकी आशा थी कि वे इस निर्माता से मिल सकें

जो उनसे इतना प्रेम करता था कि वे उनसे मिल सकें। इससे उनका जीवन बदल गया, उनका जीवन बदल गया। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि उनके सभी युगांतशास्त्रीय विचारों को खारिज करने में सावधानी बरतें। युगांतशास्त्र का अर्थ है भविष्य की बातें। अपनी नैतिकता विकसित करें, अपनी नैतिकता को अनुमति दें, आपको क्या करना चाहिए, इस तथ्य से आकार लें कि यदि मसीह अभी वापस आ रहे हैं तो आप क्या करेंगे? क्या आप अभी जो कर रहे हैं उसे करते हुए पकड़े जाएँगे? आप अभी अपना समय परमेश्वर की स्तुति करने में कैसे उपयोग कर सकते हैं?

क्या यह संभव है, और मुझे विल्सन के कथन के साथ समाप्त करने दें। मैं डॉ. विल्सन से प्यार करता हूँ। क्या अध्ययन करना संभव है, क्या ईश्वर की महिमा के लिए अध्ययन करना संभव है? क्या यह संभव है कि जब मसीह वापस आए, तो वह आपको इतिहास या ऐसा कुछ पढ़ते हुए पाए? आप कहते हैं, ओह नहीं, नहीं। हाँ। क्या यह संभव है कि आपका मन इस बात में लगा हो, आप सोच रहे हों, मैं इन अध्ययनों का उपयोग ईश्वर की महिमा के लिए कैसे कर सकता हूँ? और इसलिए मैं जो सुझाव दूंगा, मुझे नहीं पता कि क्या वह, मसीह की वापसी की प्रतीक्षा करने और मसीह की वापसी के प्रकाश में जीने की धन्य आशा है, और मसीह की वापसी के प्रकाश में जीने की। आप में से कुछ लोग कुछ समय के लिए घर से दूर रहे हैं। आप में से कुछ के घर पर बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड हैं। अगर आपको पता होता, तो मैं कैसे कहूँ, अगर कोई घर आ रहा है, तो मेरे बच्चे घर आ रहे हैं। इलियट को इस गर्मी में घर आना था। सवाल, क्या हम उसके घर आने का इंतज़ार करते हैं? अगर आप किसी से प्यार करते हैं, जब वे घर आते हैं, तो क्या यह एक खूबसूरत बात है? जब आप किसी से प्यार करते हैं और जब वे घर आते हैं? वैसे, जब तुम लोग घर जाओगे, तो तुम्हारे कई माता-पिता तुम्हें ढूँढ़ रहे होंगे, बस तुम्हें घर पर देखना चाहते होंगे क्योंकि तुम लंबे समय से दूर हो। वे तुमसे प्यार करते हैं और वे तुम्हें फिर से देखना चाहते हैं। इसलिए वे, तुममें से कुछ कहते हैं, तुम्हारे माता-पिता कहते हैं, अरे, उस आदमी को भूल जाओ। वे चले गए हैं। अब हम आज़ाद हैं। लेकिन मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि अगर हम मसीह से प्यार करते हैं, तो हम उसे देखना चाहेंगे। हम उससे मिलना चाहेंगे। यही धन्य आशा है।

तो क्लास लेने के लिए धन्यवाद और मुझे आशा है कि आपको न्यू टेस्टामेंट में अच्छा अनुभव हुआ होगा और बस, धन्यवाद। बहुत बढ़िया। ठीक है। यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र सत्र संख्या 27 में अपने अंतिम व्याख्यान में हैं, यह रहस्योद्घाटन की पुस्तक है।